Universe Journal of Education & Humanities ISSN 2348-3067
Volume-5, No. II, Aug.-2018, pp.Hin.29-35

जनपद गाजियाबाद (उ०प्र०) का जनांकिकीय अध्ययन

डॉ मोहम्मद हयात अंसारी,
अध्यक्ष भूगोल विभाग,
फ़ारूक़ असलम डिग्री कॉलेज अमरोहा उत्तर प्रदेश भारत।

प्रस्तावना–
सन 1740 में सम्राट, ग़ाज़ी–उद्–दीन द्वारा बसाये गये इस शहर को इसके संस्थापक ग़ाज़ी–उद्–दीन द्वारा ग़ाज़ीउद्दीननगर नाम दिया गया। उसने शहर मे एक विशाल ढांचे का निर्माण करवाया जिसमे 120 कमरे और इंगित मेहराबें थीं। अब इस निर्माण का सिर्फ कुछ हिस्सा ही बचा है, जिसमे फाटक, चार दीवारी के कुछ भाग और चौदह फ़ीट ऊँचा एक विशाल स्तंभ। अब इस परिसर का प्रयोग लोगों द्वारा रिहाइश के लिये किया जा रहा है। ग़ाज़ी–उद्–दीन का मकबरा अभी भी शहर में मौजूद है, लेकिन संरक्षण की स्थिति बहुत बुरी है।
1857–58 के भारतीय विद्रोह, के दौरान ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल सेना के भारतीय सैनिकों के विद्रोह से शुरु हुई, लड़ाई जो बाद मे ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक व्यापक विद्रोह में परिणित हो गयी उसी दौरान यह सबसे अधिक उद्देलित स्थानों मे से एक बना। हिन्डन नदी पर क़ब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे स्वतंत्रता सेनानीं एक मुठभेड़ में यहाँ ब्रिटिश सेना की एक छोटी टुकड़ी से हार गये। इस आजादी की पहली लड़ाई ने ग़ाज़ियाबाद को राष्ट्र की मुख्य धारा मे ला दिया।
मुख्य शब्द– जनपद गाजियाबाद, जनसँख्या, जनसँख्या घनत्व,

उत्तर प्रदेश राज्य में गाजियाबाद जनपद की स्थिति
ऐतिहासिक, पौराणिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक दृष्टि से गाजियाबाद एक समृद्ध शहर है। यह जिले मे हुये शोध कार्य और खुदाई से साबित हुआ है। हिन्डन नदी के किनारे कसेरी की खुदाई मे जो, मोहन नगर से 2 किमी उत्तर में स्थित है, से यह साबित हुआ है कि यहाँ 2500 ई.पू. में सभ्यता विकसित हुई थी।

प्राचीन काल से ही भौगोलिक अध्ययनों में अर्थात जनांकिकीय अध्ययनों में मानव का विशिष्ट स्थान रहा है। मानव भौतिक तत्व, संसाधन तथा कारक तीनो रूपों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता रहा है। वस्तुतः वह भौगोलिक वातावरण का सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। भौगोलिक तत्वों की इस दृष्टि में मानव को तीन वर्गों में बांटा जा सकता है। प्रथम मानव जो की प्राकर्तिक संसाधनों का विकास और उपयोग करता है तथा मानवीय वातावरण का निर्माण करता है। द्वितीय प्राकृतिक वातावरण जिसमे मनुष्य कर्यरत रहता है तथा संसाधनों का उपयोग करता है। तृतीय मानवीय वातावरण जो मनुष्य के प्राकृतिक वातावरण एवं संसाधनों का उपयोग का प्रतिफल होता है।

किसी देश के आर्थिक विकास में वहां की जनसँख्या की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जनसँख्या वृद्धि, वितरण आयु के अनुसार वर्गीकरण कार्य क्षमता एवं कुशलता एवं कार्यानुसार वर्गीकरण आदि ऐसी विशेषताएं हैं जो जनसँख्या को मानव संसाधन का रूप प्रदान करती है ।किसी भी देश के उत्पत्ति संसाधनों में जनसँख्या का महत्वपूर्ण स्थान होता है योग्य व कुशल मानव संसाधन ही देश में उत्पादन प्रक्रिया को जन्म देकर औधोगीकरण की ओर उसे विकासमुख करता है। इसी तथ्य को आधार मान कर प्रस्तुत शोध पत्र में जनपद गाजियाबाद में सांस्कृतिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। गाजियाबाद जनपद

Scanned by CamScanner

की जनसँख्या को मानवीय संसाधन के रूप में मानते हुए इसके विभिन्न पहलुओं जैसे जनसँख्या की वृद्धि घनत्व वितरण व्यवसायिक वितरण आयु के अनुसार शिक्षा के अनुसार धर्म के अनुसार जनसँख्या का वितरण कार्यशील एवं अकार्यशील जनसँख्या यातायात के साधन और संचार वयवस्था आदि तथ्यों का अध्ययन प्रस्तुत शोध पत्र में किया गया है।

जनपद गाजियाबाद में जनसँख्या वृद्धि का वितरण :

विगत वर्षों की जनगणना के अनुसार प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है। की सन 1931 से 2011 के मध्य जनपद गाजियाबाद की जनसँख्या में तीव्र गति से वृद्धि हुई है। सन 1941 से अब तक जो जनसँख्या में वृद्धि हुई है। उसके मुख्य कारण आस पास एवं दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रो से रोजगार एवं रहन सहन, शिक्षा, स्वस्थ सुविधा, विधुत, यातायात के साधन, में अपेक्षाकृत उच्च स्तर से आकर्षित होकर लोग भरी संख्या में यहाँ आकर बेस हैं। स्वाधीनता के बाद शरणार्थियों के अधिक संख्या में दिल्ली के आस पास के क्षेत्रो में बसने के कारण यहाँ की जनसँख्या में तीव्र वृद्धि हुई है। दिल्ली महानगर से मात्र 20 किमी दूर होने के कारण जनपद गाजियाबाद को दिल्ली महानगर पुर्णतया प्रभावित करता है।

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार जनपद गाजियाबाद की कुल जनसँख्या 33.14 लाख थी। जो वर्ष 2011 में बढ़कर 4,681645 हो गयी है। वर्ष 1991 से 2001 के बीच के दशक में जनसँख्या वृद्धि 46.89 प्रतिशत रही है ।जबकि वर्ष 2001 से 2011 के बीच जनसँख्या वृद्धि 42.27 प्रतिशत हो गयी थी। जनपद में नगरीये क्षेत्रो की जनसँख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 18.16 लाख है। जनपद गाजियाबाद में जनसँख्या वृद्धि का प्रारूप निम्नलिखित सारणी संख्या 1 में स्पष्ट किया गया है।

सारणी 1 जनपद गाजियाबाद में जनसँख्या वृद्धि का दशक स्वरुप

वर्ष	कुल जनसँख्या	प्रति दशक में प्रतिशत अंतर
1901	581886	–
1911	57410	–1.3
1921	568267	–1.0
1931	607189	6.8
1941	716682	18.0
1951	8155577	19.4
1961	1036714	21.2
1971	1356453	30.8
1981	1843130	35.9
1991	2235675	32.5
2001	3314070	46.89
2011	4681645	42.27

स्त्रोत जिला गाजियाबाद जनगणना प्रतिवेदन वर्ष 2011

उक्त सारणी से स्पष्ट होता है। की वर्ष 1901 से 1921 तक जनपद गाजियाबाद में प्रति दशक अंतर ऋणात्मक रहा है। जबकि वर्ष 1931 से 2011 तक जनपद की जनसँख्या में प्रति दशक अंतर धनात्मक होता गया है। प्रस्तुत सारणी से स्पष्ट होता है की वर्ष 1931 से जनपद गाजियाबाद की जनसँख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है।

जनपद गाजियाबाद में जनसँख्या वितरण

जनपद गाजियाबाद में जनसँख्या का वितरण काफी असमान व असंतुलित है। यहाँ पर नगरीय जनसँख्या सघन एवं ग्रामीण जनसँख्या छितरी हुई पायी जाती है। जिले की जनसँख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों में प्रमुख जल प्राप्ति, यातायात के साधन, उधोगों का विकास, उपजाऊ भूमि, रोजगार के अवसर, शिक्षा के अवसर, पूँजी, व्यापर एवं बाजार जैसे अन्य साधन एवं सुविधाएं प्रमुख हैं। जनपद गाजियाबाद की वर्ष 2001 में ग्रामीण जनसँख्या 45. 20 प्रतिशत थी। जो सन 2011 में घटकर 32.45 प्रतिशत हो गयी तथा नगरीय जनसँख्या 2001 में 54.80 प्रतिशत थी। जो सन 2011 बढ़कर 67.55 प्रतिशत हो गयी। जनपद गाजियाबाद में नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में जनसँख्या की तुलनात्मक स्थिति का निम्न सारणी संख्या 2 में दर्शाया गया है।

क्र सं	क्षेत्र का नाम	नगर एवं ग्रामीण जनसँख्या 2001		नगर एवं ग्रामीण जान 2011	
		लाख में	प्रतिशत	लाख में	प्रतिशत
1.	ग्रामीण	1498000	45.20	3162547	32.45
2.	नगरीय	1816000	54.80	1519098	67.55
3.	योग	3314000	100	4681645	100

स्रोत जिला गाजियाबाद जनगणना प्रतिवेदन वर्ष 2011

Scanned by CamScanner

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार गाजियाबाद जनपद की जनसंख्या 4681645 लाख है। जिसमे 3.45 प्रतिशत ग्रामीण तथा 67.55 प्रतिशत नगरीय जनसँख्या है। इसमें महिलाओ की संख्या (1481935) 15.32 प्रतिशत लाख तथा पुरषों की संख्या (1680612) 17.82 लाख है। जनपद गाजियाबाद मे वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार प्रति हजार पुरषों पर 881 महिलाये है। जोकि तथा प्रादेशिक औसत से कम है। नगरीय जनसँख्या के प्रतिशत मे निरंतर वृध्दि हो रही है। जिस कारण ग्रामीण जनसँख्या भी नगरो की और पलायन कर रही है। जिसका मुख्य कारण जनपद मे नए नए औधोगिक प्रस्थानो को बहुत तेजी से भी स्थापित होना तथा दुसरे जनपदों व प्रदेशो से लोगो का दिल्ली की निकटता के कारण यहाँ आकर बसना है। इस प्रकार स्पष्ट है की जनपद गाजियाबाद की जनसँख्या का वितरण असमान है।

जनपद गाजियाबाद मे जनसँख्या घनत्व

प्रीति वर्ग किलोमीटर मे निवास करने वाले व्यक्तियों की संख्या को जनसँख्या घनत्व कहते है। जनपद गाजियाबाद मे वर्ष 2011 के अनुसार जनसँख्या का घनत्व 3971 प्रति वर्ग किलोमीटर है। जो मंडल की जनसँख्या का घनत्व 1066 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से भी अधिक है। तथा प्रदेश के जनसँख्या घनत्व (प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर) से जनपद गाजियाबाद का जनसँख्या घनत्व 4 गुना अधिक है। इससे स्पष्ट है की सम्पूर्ण प्रदेश को देखते हुए जनपद गाजियाबाद का घनत्व अधिक है। गाजियाबाद मे विकास खंड अनुसार को निम्नलिखित सारणी मे दर्शाया गया है।

विकास खंड बार जनपद गाजियाबाद का जनसँख्या घनत्व (2011) के अनुसार

क्रम संख्या	विकास खंड	जनसँख्या लाख मे	घनत्व (प्रति वर्ग किलोमीटर)
1	रजापुर	173931	739
2	लोनी	128268	727
3	भोजपुर	162835	625
4	मुरादनगर	124081	535

स्रोत जिला जनगणना प्रतिवेदन 2011 जनपद गाजियाबाद

उक्त सारणी से स्पष्ट है। कि सर्वाधिक जनसँख्या का घनत्व 739 रजापुर विकास खंड मे है। तथा दुसरे स्थान पर लोनी विकास खंड मे 727 प्रति व्यक्ति जनसँख्या घनत्व पाया जाता है। क्योकि इन स्थानों पर अनेक औधोगिक इकाईयां स्थापित है। जिससे रोजगार के अनेक अवसर व्यक्तियों को प्राप्त होते है। एवं यहाँ समस्त जन सुविधाये जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, जल, यातायात के साधन, रेल, रोजगार के अवसर आदि सुविधाये उपलब्ध है। जो व्यक्तियों को अपनी और आकर्षित करती है। जबकि सबसे कम जनसँख्या घनत्व 535 मुरादनगर मे पाया जाता है। क्योकि यहाँ न तो रोजगार के अच्छे अवसर है और न ही इस क्षेत्र मे भौतिक संसाधन व जनसुविधाये है। जिस कारण यहाँ पर जनसँख्या घनत्व कम पाया जाता है।

जनसँख्या का व्यवसायिक वितरण

किसी भी प्रदेश विशेष के आर्थिक स्वरूप को समझने के लिए वहा पर निवास करने वाली जनसँख्या की व्यवसायिक सरचना का अध्ययन करना आवश्यक होता है। अर्थशास्त्रीयो के मतानुसार किसी स्थान की जनसँख्या का आर्थिक कामकाज आर्थिक वर्गीकरण वहाँ के आर्थिक विकास के स्तर का मापदंड होता है। विकास के साथ साथ जनसँख्या के आर्थिक वर्गीकरण मे भी परिवर्तन होता है। अभी भी जनपद गाजियाबाद के कार्यकलापों मे कृषि ही है। लेकिन जनपद गाजियाबाद मे अत्यधिक औधोगीकरण के कारण यहाँ की अधिकांश जनसँख्या उधोगों मे लगी हुई है। इसी उद्देश्य से जनपद गाजियाबाद की कार्यशील जनसँख्या जो विभिन्न व्यवसायों मे लगी हुई है। जनपद गाजियाबाद की जनसँख्या का व्येवासयिक वितरण को निम्नलिखित सारणी द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

जनपद गाजियाबाद की जनसँख्या का व्यवसायिक वितरण (2010–11)

क्षेत्र	उधोगो मे कार्यरत व्यक्तियो की संख्या एवं उसका प्रीतिशत		भाड़े पर कार्यरत व्यितियो की संख्या एवं उसका प्रीतिशत		कृषको की संख्या एवं उसका प्रीतिशत		कृषि श्रमिको की संख्या एवं उसका प्रीतिशत		पारिवारिक उधोघो मे लगे व्यितियो की संख्या एवं उसका प्रीतिशत		अन्य कार्यो मे लगे व्यितियो की संख्या एवं उसका प्रीतिशत		सीमांत कर्मकारो की संख्या एवं उसका प्रीतिशत	
ग्रामीण क्षेत्र	26552	12.81	11335	8.66	134091	93.66	36577	87.98	15881	48.09	174040	29.60	98140	70.16

Scanned by CamScanner

नगरीय क्षेत्र	179739	87.13	119543	91.34	9075	6.34	4997	12.02	17138	51.91	413807	70.40	41728	29.84
कुल जनपद मे	206291	100	130878	100	143166	100	41574	100	33019	100	587847	100	139868	100

स्रोत कार्यालय निदेशक आर्थिकी एवं सांख्यकीय विभाग जनपद गाजियाबाद

उक्त सारणी से स्पष्ट होता है। की जनपद गाजियाबाद मे वर्ष 2010–11 के अनुसार उधोगों मे सामान्यतः कार्यरत व्यक्तियों की कुल संख्या 206291 है। जिसमे से ग्रामीण क्षेत्र मे 26552 व्यक्ति तथा नगरीय क्षेत्रो मे 179739 व्यक्ति कार्यरत है। इसके आलावा भाड़े पर सामान्यत कार्यरत व्यक्ति 130878 है। जिनमे ग्रामीण क्षेत्र मे 11335 तथा नगरीय क्षेत्र मे 119543 व्यक्ति कार्यरत है। तथा जनपद मे कृषको की कुल संख्या 143166 है। जिनमे 134091 कृषक ग्रामीण क्षेत्र मे तथा कृषक नगरीय क्षेत्र मे लगे हुए है। जनपद मे 207 कृषि श्रमिको की कुल संख्या 41574 है। जिनमे 36577 श्रमिक ग्रामीण क्षेत्रो मे एवं 4997 श्रमिक नगरीय क्षेत्रो मे लगे हुए है। इसके आलावा पारिवारिक उधोगो मे कार्यरत व्यक्तियों की कुल संख्या 33011 है। जिसमे ग्रामीण क्षेत्रो मे 14881 व्यक्ति एवं नगरीय क्षेत्रो मे 17138 व्यक्ति कार्यरत है। तथा जनपद मे अन्य कार्यो मे लगे व्यक्तियों की कुल संख्या लगभग 587847 है। जिनमे से ग्रामीण क्षेत्रो मे लगभग 17440 व्यक्ति तथा नगरीय क्षेत्रो मे 413807 व्यक्ति कार्यरत है। इसी तरह जनपद मे सीमांत कर्मकारो की कुल संख्या 139838 है जिसमें ग्रामीण क्षेत्रो के अंतर्गत 98140 व्यक्ति एवं नगरीय क्षेत्रो के अंतर्गत 41728 व्यक्ति कार्यरत है।

आयु के अनुसार जनपद गाजियाबाद का जनसँख्या वितरण

जनपद गाजियाबाद मे आयु वर्ग के अनुसार जनसँख्या का विश्लेषण महत्वपूर्ण है। किसी भी स्थान नगर कस्बे व प्रदेश के संसाधनों की वास्तविक स्थिती का ज्ञान प्राप्त करने के लिए आयु वर्ग के अनुसार जनसँख्या की सरंचना का ज्ञान करना अत्यन्त उपयोगी है। किसी भी स्थान मे कार्यशील जनसँख्या का आकार एवं श्रम शक्ति की पूर्ति जनसँख्या के 15–59 आयु वर्ग के लोगो के द्वारा निर्धारित की जाती है। जनपद गाजियाबाद की वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसख्या मे 15–59 आयु वर्ग की जनसँख्या का अंश 29–46 प्रीतिशत रहा है। जबकि प्रदेश ओसत 27–14 प्रीतिशत है। जनपद गाजियाबाद मे आयु वर्ग के अनुसार जनसँख्या के वितरण को निम्नलिखित सारणी के द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

जनपद गाजियाबाद मे आयु के अनुसार जनसँख्या का वितरण (2011)

आयु वर्ग	कुल			ग्रामीण		नगरीय	
	योग	पुरुष	स्त्रिया	पुरुष	स्त्रिया	पुरुष	स्त्रिया
00–04	375160	201643	173517	98483	86227	103160	87290
05–09	450929	244005	206924	117664	99346	126341	107578
10–14	449267	242735	206532	113005	95762	129729	110770
15–19	351219	195920	155299	88246	68412	107674	86887
20–24	288859	158241	130618	68610	55428	89631	75190
25–29	257933	132282	125651	56536	51803	75746	73848
30–34	234341	118681	115660	48948	47439	69733	68221
35–39	218881	115322	103559	46430	40813	68892	62746
40–44	169331	94656	74675	36868	29852	57788	44823
45–49	131753	72139	59614	28336	24936	43803	34678
50–54	95638	54856	40782	23358	18018	31498	22764
55–59	69252	34349	34903	14852	16425	19497	18478
झ त्र 60	183691	96043	87648	49157	44423	46886	43225
सभी आयु	3290586	1769042	1521544	793186	680985	975856	840559

स्रोत कार्यालय निदेशक आर्थिकी एवं सांख्यकीय विभाग जनपद गाजियाबाद

उक्त सारणी से स्पष्ट है कि सामान्यतः 14 वर्ष की आयु की कुल संख्या 1275356 है। जो सामान्यत अपने माता पिता पर निर्भर रहते है। इनमे ग्रामीण व्यक्तियों की संख्या लगभग 610487 है। जबकि नगरीय व्यक्तियों की संख्या लगभग 664869 है। जबकि जनपद गाजियाबाद मे 15 से 51 आयु वर्ग के

Scanned by CamScanner

व्यक्ति कार्यशील जनसँख्या का प्रतीक है। इनकी कुल संख्या लगभग 1132342 है। तथा 35 से 51 वाले प्रोढ़ अवस्था मे कम कार्यशीलता पाई जाती है। जिनकी कुल संख्या लगभग 684855 है 60 से अधिक आयु वर्ग वाले व्यक्तियों मे कार्य क्षमता मे कमी पाई जाती है। क्योकि वे दुसरो पर निर्भर रहते है। जनपद गाजियाबाद मे 60 से अधिक आयु वाले व्यक्तियों की संख्या लगभग 183611 है। जिनमे ग्रामीण व्यक्तियों की संख्या लगभग 39580 है। जबकि नगरीय व्यक्तियों की संख्या लगभग 90111 है।

शिक्षा के आधार पर जनपद गाजियाबाद की जनसँख्या का वितरण

साक्षरता की दृष्टी से गाजियाबाद जनपद उत्तर प्रदेश राज्य मे एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। क्योकि वर्ष 1981 मे गाजियाबाद जनपद का साक्षरता प्रतिशत 36.08 था। जो वर्ष 1991 मे लगभग 18 प्रतिशत बाद मे बढ़ कर 69.68 प्रतिशत हो गया था। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जनपद गाजियाबाद का साक्षरता 10 प्रतिशत बढ़ कर 78.07 हो गया। जिस कारण साक्षरता की द्रष्टि से जनपद गाजियाबाद को मेरठ मंडल मे प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जो उत्तर प्रदेश की साक्षरता का 56.3 प्रतिशत है। जो लगभग 14 प्रतिशत अधिक है। साक्षरता के आधार जनपद गाजियाबाद के वितरण को निम्नलिखित सारणी के द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

साक्षरता के आधार जनपद गाजियाबाद के वितरण को निम्नलिखित सारणी के द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

वर्ग	निरक्षर व्यक्तियों की संख्या एवं उसका प्रतिशत		साक्षर व्यक्तियों की संख्या एवं उसका प्रतिशत		प्राइमरी व्यक्तियों की संख्या एवं उसका प्रतिशत		मिडिल व्यक्तियों की संख्या एवं उसका प्रतिशत		हाईस्कूल व्यक्तियों की संख्या एवं उसका प्रतिशत		इंटर व्यक्तियों की संख्या एवं उसका प्रतिशत		स्नातक एवं अधिक व्यक्तियों की संख्या एवं उसका प्रतिशत	
पुरुष	600580	43.2	1811397	85.42	234568	56.9	233771	64.4	198850	67.5	119721	64.8	134456	63.2
स्त्री	790271	56.8	1311867	69.79	177656	43.1	128912	35.6	95456	32.5	64919	35.2	78405	36.8

स्रोत जिला संखिखिये पत्रिका 2011 जनपद गाजियाबाद

उपरोक्त सरणी से यह स्पष्ट होता है। कि जनपद गाजियाबाद मे कुल निरक्षर व्यक्तियों की संख्या 1390851 है। जिसमे 43.2 प्रतिशत पुरुष व 56.8 प्रतिशत स्त्रिया निरक्षर है। इसी तरह जनपद मे कुल साक्षर व्यक्तियों की संख्या 3123264 है। जिसमे 85.42 प्रतिशत एवं 99.79 प्रतिशत स्त्रिया साक्षर है। जनपद मे केवल प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कुल व्यक्तियों की संख्या 412224 है। जिसमे 56.9 प्रतिशत पुरुष एवं 43.1 प्रतिशत स्त्रिया प्राइमरी शिक्षा प्राप्त है। इसी प्रकार जनपद मे मिडिल स्तर की शिक्षा की कुल संख्या 362683 है। जिनमे 64.4 प्रतिशत पुरुष व 35. 6 प्रतिशत स्त्रिया मिडिल शिक्षा प्राप्त है। तथा हाईस्कूल प्राप्त व्यक्तियों की संख्या 294306 है जिनमे 67.5 प्रतिशत पुरुष व 32.5 प्रतिशत स्त्रिया हाईस्कूल शिक्षा प्राप्त है। इंटर पास व्यक्तियों की संख्या 184690 है। जिनमे 64.8 प्रतिशत पुरुष व 35.2 प्रतिशत स्त्रिया शिक्षा प्राप्त है। इसी प्रकार जनपद गाजियाबाद मे स्नातक या इससे अधिक शिक्षा प्राप्त व्यक्तियों की कुल संख्या 212861 है। जिनमे पुरषों की संख्या 63.2 व महिलाओ की संख्या 36.8 प्रतिशत है। उक्त तथ्यों से ये स्पष्ट होता है। कि जनपद गाजियाबाद मे शिक्षा की द्रष्टि से स्त्रियों की तुलना मे पुरषों की संख्या अधिक है।

धर्म के आधार पर जनपद गाजियाबाद की जनसँख्या

जनपद गाजियाबाद मे विभिन्न धर्मो को मानने वाले व्यक्ति निवास करते है। जिनमे हिन्दू धर्म को मानने वाले व्यक्तियों की संख्या सबसे अधिक है। इसके बाद मुस्लिम धर्म को मानने वाले व्यक्ति आते है। भारत के अन्य भागो की तरह गाजियाबाद जनपद मे भी विभिन्न धर्मो व समुदाय के लोग सदभावना पूर्वक रहते है। जातियों मे ब्राहमण,छत्रिय,वैश्य,त्यागी हिन्दू धर्म की प्रमुख जातिया है। जिनमे सबसे अधिक संख्या वैश्य की है। गाजियाबाद मे उधोगों का विकास जैसे जैसे हुआ तब से आस पास के कस्बो और नगरो के वेश्ये परिवार उधोग व्यापार के लिए यहाँ आकर निवास करने लगे है।

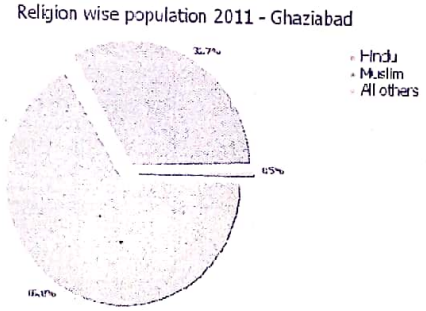

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार गाजियाबाद जनपद मे धर्मानुसार जनसँख्या का वितरण निम्नलिखित सरणी के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

गाजियाबाद जनपद मे धर्मानुसार जनसँख्या का वितरण–2011

Scanned by CamScanner

क्रम संख्या	धर्म	कुल जनसँख्या	जनसँख्या		कुल जनसँख्या प्रतिशत में
			ग्रामीण	नगरीय	
1	हिन्दू	3414427	1522420	1892007	72.93
2	मुस्लिम	1186776	603990	5812786	25.35
3	इसाई	19026	1152	17874	0.41
4	सिख	23001	3365	19636	0.49
5	बोद्ध	3487	1350	2137	0.07
6	जैन	16412	212	16400	0.35
7	अन्य	265	122	143	0.01
8	धर्म नहीं बताया	18251	6844	11407	0.39

स्रोत जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2011 जनपद गाजियाबाद

उपरोक्त सरणी से स्पष्ट है। कि जनपद गाजियाबाद मे 72.93 प्रतिशत हिन्दू धर्म के लोग निवास करते है। जो गाजियाबाद की कुल जनसँख्या के लगभग तीन चोथाई है। हिन्दू धर्म की जनसँख्या ग्रामीण क्षेत्रो की तुलना मे नगरीय क्षेत्रो मे अधिक है। जनपद गाजियाबाद मे मुस्लिम धर्म के व्यक्तियों की संख्या 25.35 प्रतिशत है। जिनकी अधिकतम जनसँख्या ग्रामीण क्षेत्रो मे मिलती है। जनपद मे सिख धर्म के व्यक्तियों की संख्या 0.41 प्रतिशत इसाई धर्म के व्यक्तियों की संख्या 0.41 प्रतिशत, जैन धर्म के व्यक्तियों की संख्या 0.37 प्रतिशत, व बोद्ध धर्म के व्यक्तियों की संख्या 0.07 प्रतिशत है। जो किसी धर्म को नहीं मानते उनका प्रतिशत 0.39 प्रतिशत है अतः स्पष्ट होता है। कि बोद्ध धर्म को मानने वाले व्यक्तियों की संख्या जनपद गाजियाबाद मे सबसे कम है। सिख,बोद्ध,जैन,अन्य व जिनका धर्म बताया नहीं गया है। इन व्यक्तियों की अधिकतम संख्या नगरीय क्षेत्रो मे है। इस प्रकार हम ये कह सकते है। कि जनपद गाजियाबाद एक हिन्दू धर्म प्रधान जनपद है।

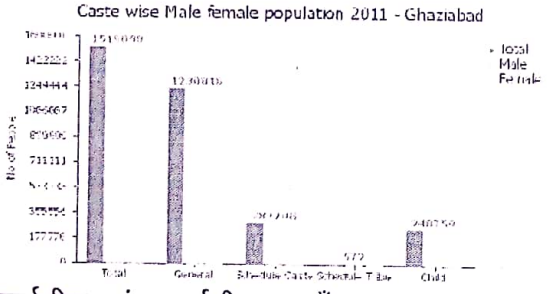

कार्यशील एवं अकार्यशील जनसँख्या

कार्यशील जनसँख्या से हमारा आशय 15–59 आयु वर्ग की जनसँख्या से लगाया जाता है। और इसी आयु वर्ग के व्यक्तियों से रोजगार हेतु उपलब्ध रहने की अपेक्षा की जाती है। प्राय देखा जाता है । कि 15–59 आयु वर्ग की अधिकांश महिला न तो रोजगार युक्त होती है। और न ही रोजगार के लिए सुलभ रहती है। जबकि 15 से अधिक आयु के किशोर एवं 60 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध रोजगार युक्त पाए जाते है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसँख्या मे 15–59 आयु वर्ग की जनसँख्या का अंश 59.46 प्रतिशत थी। जबकि प्रदेश औसत 27.14 प्रतिशत था। जनपद गाजियाबाद मे वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 8.04 प्रतिशत कुल कर्मकार थे। जिनमे 1.43 लाख प्रतिशत कृषक, 0.41 प्रतिशत लाख कृषि श्रमिक, 0.33 लाख पारिवारिक उधोग तथा 5.87 लाख अन्य कार्यो मे लगे कर्मकार थे।

जनपद गाजियाबाद मे अकार्यशील जनसँख्या कार्यशील जनसँख्या की अपेक्षा अधिक है। जनपद गाजियाबाद मे 2011 की जनगणना के अनुसार अकार्यशील जनसँख्या का प्रतिशत 23.69 लाख है। जनपद गाजियाबाद मे कार्यशील जनसँख्या का वितरण निम्नलिखित सारणी मे प्रस्तुत किया गया है।

जनपद गाजियाबाद मे कर्मकारों का वितरण 2011 के अनुसार

क्रम संख्या	मद	2011	कर्मकारो का प्रतिशत
1	कृषक (लाख)	1.43	17.8
2	कृषि श्रमिक (लाख)	0.41	5.2
3	पारिवारिक उद्योग	0.33	4.1
4	अन्य	5.87	72.9
5	कुल कर्मकार	8.04	100

स्रोत जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2011 जनपद गाजियाबाद

उपरोक्त सरणी से ये स्पष्ट होता है। कि गाजियाबाद जनपद मे कुल कर्मकारो मे से 17.8 प्रतिशत लाख कृषक के रूप मे 5.2 प्रतिशत कृषि श्रमिक के रूप मे व 4.1 प्रतिशत लाख पारिवारिक उधोग धंधो मे तथा 72.9 प्रतिशत लाख कर्मकार अन्य कार्यो मे लगे हुए

Scanned by CamScanner

है। पारिवारिक उधोघ धंधो को बढाकर इनमे कर्मकारो की संख्या बढकर कुछ लोगो को रोजगार के अवसर सुलभ कराये जा सकते है। इसके अतिरिक्त 25.1 प्रतिशत लाख जनसँख्या अकार्यशील रूप मे सलग्न है। जो की कुल जनसँख्या का 75 प्रतिशत है। जनपद मे आश्रित अनुपात 1:3 है तथा प्रत्येक कर्मकार पर 3 व्यक्ति आश्रित है। ये अनुपात रास्ट्रीय एवं क्षत्रिय तुलना मे अधिक है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध पत्र से प्राप्त परिणामो को निष्कर्ष रूप मे निम्नलिखित प्रकार से प्रस्तुत किया गया है।

1 जनसँख्या वृधि की द्रष्टि से जनपद गाजियाबाद व नगर का वृधि स्तर राष्ट्रीय व क्षेत्रीय स्तर की तुलना मे अधिक तेजी से बड़ा है। जनपद का जनसँख्या घनत्व 4 गुना अधिक है।

2 कार्यशील जनसँख्या के विश्लेषण से स्पष्ट होता है। कि जनपद गाजियाबाद मे क्रषि पर आधारित कार्यो मे जनपद का अनुपात सर्वाधिक है। तथा साथ ही साथ औधोगिक व व्यवसायिक कार्यो मे कार्यशील जनसँख्या का अनुपात अधिक है सेवाओ व सबंधित कार्यो मे जनसँख्या का अनुपात तीसरे स्थान पर है। कुल मिलकर एक कर्मकार पर 3 आश्रित पाए जाते है।

3 जनपद गाजियाबाद मे लिंग अनुपात की द्रष्टि से गाजियाबाद नगर व ग्रामीण छेत्रो मे रास्ट्रीय व प्रादेशिक औसत से कम अंकित किया गया है। जिसका प्रुमख कारण यहाँ की बढती हुई औधोगिक आर्थिक क्रियाए प्रमुख है। इन क्रियाओ मे बड़े पैमानों पर पुरुष प्रधान प्रवास पाया जाता है। अत गाजियाबाद जनपद का लिंग अनुपात असंतुलन की और बढता जा रहा है जोकि एक गंभीर चिंता का विषय है।

4. शिक्षा की द्रष्टि से ग्रामीण तथा नगरीय शिक्षा तथा इसी प्रकार महिला व पुरुष शिक्षा की दरे राष्ट्रीय व प्रादेशिक मानको से अधिक है। इससे स्पष्ट होता है कि महिला व पुरुष तथा ग्रामीण व नगरीय शिक्षा दरे समय के साथ अंतर को कम करती हुई दिखाई दे रही है।

5 जनपद गाजियाबाद मे बढता हुआ औधोगीकरण एवं रोजगार प्रजनन के कारण गाजियाबाद मे अनेको प्रकार के प्रमुख संस्थानों का विकास हुआ है। यहाँ अनेक केंद्रीय एवं प्रदेशिय स्तर की संस्थाए पाई जाती है। इसी के साथ निजी क्षेत्रो के संस्थानों मे शिक्षा, चिकित्सा, संचार एवं भवन निर्माण सम्बन्धी अनेको संस्थानों वित्तीय संसधानो तथा गेर सरकारी संगठनों का विकास अधिक हुआ है। जिसके परिणाम स्वरूप जनपद गाजियाबाद शिक्षा, चिकित्सा, संचार एवं वित्तीय द्रष्टि कोंण से अधिक विकसित हुआ है।

संदर्भ सूची :-

1 इन्टरनेट सेवा के माध्यम से।
2 जिला जनगणना प्रतिवेदन 2011,2011 जनपद गाजियाबाद।
3 कार्यालय निदेशक आर्थिकी एवं संखिकिय विभाग जनपद गाजियाबाद।
4 अधि अभि लो नि वि प्रा ख जनपद गाजियाबाद।
5. Census Of India 2011 Uttar Pradesh Series-10 Part Xii -B

Scanned by CamScanner